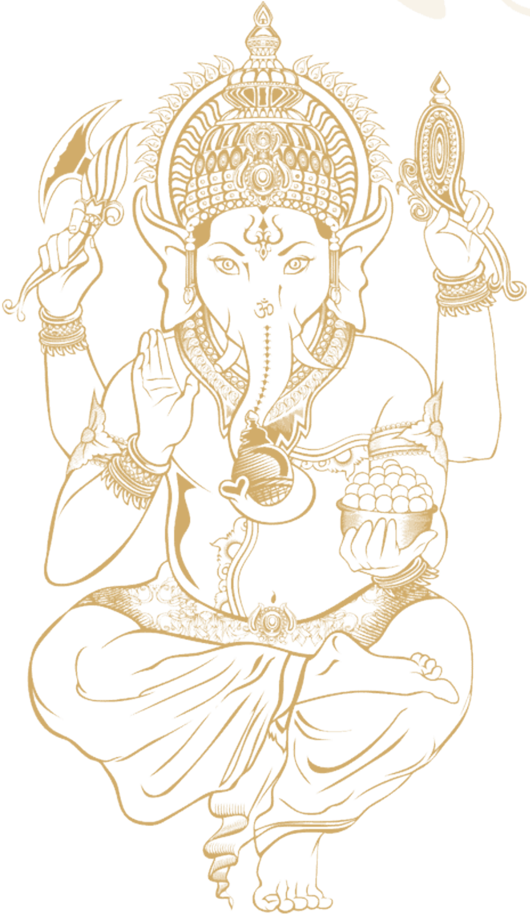

Dr Shweta Jayant Holeypatil

18 Jul 1985

07:15 AM

Solapur

Model: web-freekundliweb **Order No: 121318103**

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/07/1985**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	03:06:09 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:48:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	02:32:01 घंटे
सूर्योदय	06:00:32 घंटे
सूर्यास्त	19:04:07 घंटे
दिनमान	13:03:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:44:19 कर्क
लग्न के अंश	17:38:08 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:38:08	326:54:49	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			कर्क	01:44:19	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	02:39:49	13:13:34	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	कर्क	01:45:02	00:38:57	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			कर्क	27:49:46	00:43:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	20:33:41	00:06:58	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			वृष	19:08:16	01:06:23	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि	व		तुला	27:51:51	00:00:45	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		मेष	22:01:06	00:11:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:01:06	00:11:21	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	20:49:51	00:01:39	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप	व		धनु	07:57:23	00:01:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	08:16:54	00:00:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			मेष	16:46:02	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:08

लग्न-चलित

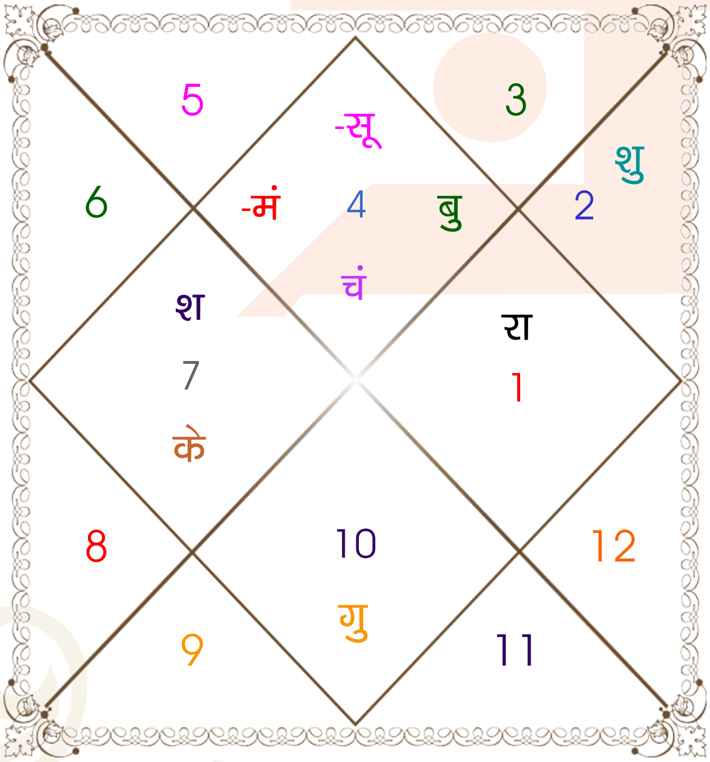

चन्द्र कुंडली

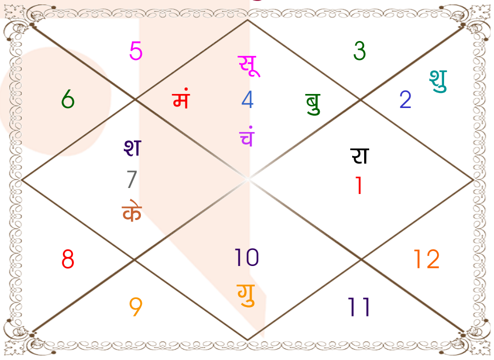

नवमांश कुंडली

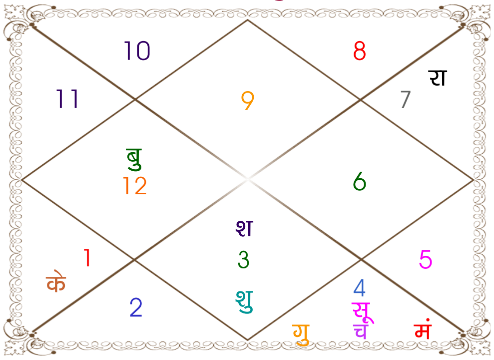

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 9 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/07/1985		07/05/1986		07/05/2005		07/05/2022		07/05/2029	
07/05/1986		07/05/2005		07/05/2022		07/05/2029		07/05/2049	
	00/00/0000	शनि	10/05/1989	बुध	04/10/2007	केतु	04/10/2022	शुक्र	06/09/2032
	00/00/0000	बुध	18/01/1992	केतु	30/09/2008	शुक्र	04/12/2023	सूर्य	06/09/2033
	00/00/0000	केतु	26/02/1993	शुक्र	01/08/2011	सूर्य	10/04/2024	चंद्र	08/05/2035
	00/00/0000	शुक्र	28/04/1996	सूर्य	06/06/2012	चंद्र	09/11/2024	मंगल	07/07/2036
	00/00/0000	सूर्य	10/04/1997	चंद्र	06/11/2013	मंगल	07/04/2025	राहु	08/07/2039
	00/00/0000	चंद्र	09/11/1998	मंगल	03/11/2014	राहु	25/04/2026	गुरु	08/03/2042
	00/00/0000	मंगल	19/12/1999	राहु	22/05/2017	गुरु	01/04/2027	शनि	07/05/2045
	18/07/1985	राहु	25/10/2002	गुरु	28/08/2019	शनि	10/05/2028	बुध	07/03/2048
राहु	07/05/1986	गुरु	07/05/2005	शनि	07/05/2022	बुध	07/05/2029	केतु	07/05/2049

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/05/2049		08/05/2055		07/05/2065		07/05/2072		07/05/2090	
08/05/2055		07/05/2065		07/05/2072		07/05/2090		19/07/2105	
सूर्य	25/08/2049	चंद्र	07/03/2056	मंगल	03/10/2065	राहु	18/01/2075	गुरु	25/06/2092
चंद्र	23/02/2050	मंगल	06/10/2056	राहु	22/10/2066	गुरु	13/06/2077	शनि	06/01/2095
मंगल	01/07/2050	राहु	07/04/2058	गुरु	28/09/2067	शनि	19/04/2080	बुध	13/04/2097
राहु	26/05/2051	गुरु	07/08/2059	शनि	06/11/2068	बुध	06/11/2082	केतु	20/03/2098
गुरु	13/03/2052	शनि	07/03/2061	बुध	03/11/2069	केतु	25/11/2083	शुक्र	19/11/2100
शनि	23/02/2053	बुध	07/08/2062	केतु	01/04/2070	शुक्र	24/11/2086	सूर्य	07/09/2101
बुध	31/12/2053	केतु	08/03/2063	शुक्र	01/06/2071	सूर्य	19/10/2087	चंद्र	07/01/2103
केतु	07/05/2054	शुक्र	06/11/2064	सूर्य	07/10/2071	चंद्र	19/04/2089	मंगल	14/12/2103
शुक्र	08/05/2055	सूर्य	07/05/2065	चंद्र	07/05/2072	मंगल	07/05/2090	राहु	19/07/2105

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।